अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : छठी – जैन धर्म विशारद (परीक्षा 20 जुलाई, 2014)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. किसी भी प्रकार की नकल नहीं करें एवं किसी से बातचीत का भी प्रयास नहीं करें। इसके अंक काटे जा सकते हैं अथवा परीक्षा निरस्त की जा सकती है।
5. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
6. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8	कुल योग
प्राप्तांक									
पूर्णांक	10	10	10	10	24	12	12	12	100
पुनः जाँच									

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) अंतगड़ सूत्र में कुल कितने वर्ग हैं -

(क) 90 (ख) 10

(ग) 08 (घ) 12 ( )

(b) सामण्णपुव्वयं नामक अध्ययन में गाथाएं हैं -

(क) 05 (ख) 11

(ग) 13 (घ) 15 ( )

(c) देव दुन्दुभि कौनसा प्रतिहार्य है -

(क) दूसरा (ख) तीसरा

(ग) चौथा (घ) पाँचवाँ ( )

(d) स्त्री पर्याय वाला जीव कौनसी नरक में नहीं जाता -

(क) सातवीं (ख) छठी

(ग) पाँचवीं (घ) पहली ( )

(e) अज्ञान के कारण में कौनसे खल ग्राह से ग्रस्त हूँ -

(क) क्रोध (ख) अभिमान

(ग) माया (घ) लोभ ( )

(f) माण्डलिक राजा की गति होती है -

(क) 276 (ख) 371

(ग) 395 (घ) 535 ( )

(g) जयन्तीबाई श्रमणोपासिका के प्रश्नों का विवरण किस आगम में है -

(क) दशवैकालिक (ख) भगवती

(ग) ठाणांग (घ) उत्तराध्ययन ( )

(h) कौनसी प्रतिपदा को अस्वाध्याय काल है -

(क) आषाढ़ (ख) भादवा

(ग) आसोज (घ) चैत्र ( )

(i) कौनसे जीव जागते हुए अच्छे होते हैं -

(क) धर्मी (ख) अधर्मी

(ग) भवी (घ) अभवी ( )

(j) भिक्षु प्रतिमा का विस्तृत विवेचन किस आगम में आता है -

(क) दशाश्रुतस्कंध (ख) अंतगड़

(ग) उत्तराध्ययन (घ) दशवैकालिक ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- 10x1 = (10)

(a) रात्रि भोजन आश्रव का कारण है। ( )

(b) 'क्रोध' मित्रता को समाप्त करता है। ( )

(c) आयंबिल वर्द्धमान तप में 5050 आयंबिल के दिन होते हैं। ( )

(d) जीवों का भवसिद्धिपना स्वभाव से है, परिणाम से नहीं। ( )

(e) हाँ ! नित्य घटती आयु है पर पापमति बढ़ती नहीं। ( )

(f) आप मोहान्धकार को नष्ट करने से सूर्य के समान तेजोरूप हैं। ( )

(g) उरपरिसर्प की गति 519 भेद की होती है। ( )

(h) कामनाओं पर विजय प्राप्त किए बिना श्रमण धर्म का पालन किया जा सकता है। ( )

(i) दूसरे देवलोक की गति 46 भेद की होती है। ( )

(j) पौषध में कलह नहीं करना दोष है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- 10x1 = (10)

(a) मेरी गति केवल मोक्ष ही है। .....

(b) मैं तीर्थंकर का दूसरा प्रतिहार्य हूँ। .....

(c) मुझमें मोक्ष में जाने वाले जीवों की साधना का ही वर्णन है। .....

(d) मेरी काल मर्यादा पाँच प्रहर से कम नहीं होती है। .....

(e) मेरी पदवी अमर है। .....

(f) अनादि से मुझमें भवी एवं अभवी दोनों प्रकार के जीव पाये जाते हैं। .....

(g) मैं मरकर तिर्यंच के 48 भेदों में ही जा सकता हूँ। .....

(h) असंख्य सोने चांदी के पर्वत मिलने पर भी मेरी तृप्ति नहीं होती। .....

(i) मैं राजमती के सुभाषित वचनों को सुनकर पुनः संयम में स्थिर हो गया। .....

(j) मुझे गणिपिटक या द्वादशांगी के नाम से जाना जाता है। .....

प्र.4 प्रश्न एवं उत्तर दोनों क्रम से नहीं दिये हुए हैं, आप उत्तर की जोड़ी मिलाकर सही उत्तर रिक्त स्थान में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a)	चामर	-	संसार	.....
(b)	औपपातिक	-	चक्रवर्ती	.....
(c)	जालि	-	प्रज्ञापना	.....
(d)	जयन्ती श्रमणोपासिका	-	अस्वाध्याय काल	.....
(e)	अठारह पाप	-	भ्रमर वृत्ति	.....
(f)	श्रमण	-	सुबाहु कुमार	.....
(g)	पहली नरक	-	मयालि	.....
(h)	उल्कापात	-	योगीश्वर	.....
(i)	सुख विपाक	-	देवानन्दा	.....
(j)	केतु स्वरूप	-	छत्र	.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में लिखिए :- **12x2 = (24)**

(a) आराधक साधु की गति लिखिए।

.....

.....

(b) कामभोगों को क्या क्या उपमा दी गई है ?

.....

.....

(c) जीव बलवान अच्छा या निर्बल ? कारण सहित लिखिए।

.....

.....

(d) पहले देवलोक की आगति लिखिए।

.....

.....

(e) पर्युषण पर्व में अंतगड़ सूत्र का वाचन उपयुक्त है। कोई तीन कारण लिखिए।

.....

.....

(f) **मिहिका किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(g) **तिर्यंच पंचेन्द्रिय मरकर कौनसे देवलोक तक जा सकता है ?**

.....

.....

(h) **जीव हल्का एवं भारी किन कारणों से होता है ?**

.....

.....

(i) **कितनी नरक तक के जीव अगले भव में सम्यग्दृष्टि बन सकते हैं ?**

.....

.....

(j) **निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए -**

1. निहुओ- .....

2. पीणेह- .....

(k) **मुक्ताफल .....**

..... परमेश्वरत्वम्।।

(l) **संसार ठगने .....**

..... का दिया।।

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 4x3 = (12)

(a) **आकाश सम्बन्धी अस्वाध्याय के प्रथम तीन कारण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) असन्नी तिर्यंच पंचेन्द्रिय की आगति एवं गति लिखिए।

.....

.....

.....

(c) लघु सर्वतोभद्र प्रतिमा तप का स्वरूप लिखिए।

.....

.....

.....

(d) पौषध के दिन लगने वाले 4 दोष लिखिए।

.....

.....

.....

प्र.7 निम्न गाथाओं के अर्थ लिखिए :- **4x3 = (12)**

(a) एमे ए समणा मुत्ता, जे लोए संति साहुणो।
विहंगमा व पुप्फेसु, दाण-भत्तेसणा रया।।

.....

.....

.....

(b) तीसे सो वयणं सोच्चा, संजयाए सुभासियं।
अंकुसेण जहा नागो, धम्मे संपडिवाइओ।।

.....

.....

.....

(c) ज्ञानं यथा त्वयि विभाति कृतावकाशं, नैवं तथा हरिहरादिषु नायकेषु।
तेजः स्फुरन्मणिषु याति यथामहत्त्वं, नैवं तु काचशकले किरणाकुलेऽपि।।

.....

.....

.....

(d) उवसमेण हणे कोहं, माणं मद्दवया जिणे।

मायं चज्जवभावेण, लोभं संतोसओ जिणे।।

.....

.....

.....

प्र.8 निम्न गाथाओं को पूर्ण करो :- **4x3 = (12)**

(a) अप्पा कत्ता .....

..... सुप्पट्ठिओ।।

(b) पक्खंदे .....

..... अगंधणे।।

(c) अन्यान्य मंत्रों .....

.....।

.....

..... क्या-क्या किया।।

(d) लोकेश ! पर-हित .....

.....।

.....

..... अर्थ है।।